फरीदाबाद

मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

नई सीरीज नम्बर 249 1/- मार्च 2009

आज अन्तरिक्ष तक युद्ध-क्षेत्र और युद्ध के लिये क्षेत्र बन गया है। एटम बमों और प्रक्षेपास्त्रों के भण्डार तो हैं ही। ऐसे में हमारे लिये सर्वोपरि महत्व की बात तो यह है कि सरकारों के गिरोहों के बीच तीसरा विश्व युद्ध नहीं हो। इसके लिये जरूरी है कि मजदूरों-मेहनतकशों के असन्तोष, विरोध, विद्रोह हर जगह बढ़ें।

निकट भविष्य की कुछ आशंकायें और कुछ आशायें

विगत-वर्तमान-भविष्य के जोड़ महत्वपूर्ण हैं। जो बीत गया उसके अनुभवों व विचारों से हम वर्तमान को प्रभावित करने के प्रयास करते हैं। और, आज हम अपने आने वाले कल को बदलने की कोशिशें करते हैं। इस सन्दर्भ में यहाँ हम आने वाले पाँच-दस-पन्द्रह वर्ष को देखने का एक प्रयास कर रहे हैं। विभिन्न कोणों से-दृष्टियों से ऐसे प्रयास करना हमें आज क्या करें और क्या नहीं करें यह तय करने में सहायता करते हैं। लक्ष्य है आशंकाओं की सम्भावनाओं को घटाना। मकसद है आशाओं की सम्भावनाओं को बढ़ाना।

आशंकायें

● टेढापन बढेगा। डर है कि चौतरफा बढती परेशानियाँ टेढापन बढायेंगी। बढती झूठ-फरेब, छल-कपट सहज सम्बन्धों को डुबो देंगी। आशंका है कि टेढापन तालमेलों पर घातक चोट मारेगा।

● कुण्ठा बढेगी। डर है कि स्वयं को दोष देने की प्रवृति बढेगी। आशंका है कि अपने आप को काटना बढेगा, स्वयं को पीड़ा पहुँचाना व्यापक बनेगा, आत्महत्यायें बढेंगी।

● घुटन बढेगी। डर है कि अपने जैसों को दोषी ठहराना बढेगा। आशंका है कि "अन्य" को, "दूसरों" को दोषी करार देने की प्रवृति महामारी बनेगी। भय है कि अपने जैसों के बीच, एक जैसों के बीच मार-काट बढेंगी।

● हिंसा, संगठित हिंसा बढेगी। डर है कि अत्याधिक हिंसा समस्याओं को ढँक देगी। आशंका है कि सुरक्षा की मृगमरीचिका हिंसा की दलदल को सर्वत्र फैला देगी। भय है कि भारत सरकार की सेनायें "शान्ति-स्थापना" के लिये पाकिस्तान-अफगानिस्तान-बांग्लादेश-ईरान में होंगी।

● एटम बमों से युद्ध। डर है कि सरकारों के बीच गिरोहबन्दियाँ बढेंगी। आशंका है कि सार्विक बनी हिंसा के उपचार के नाम पर एटम बमों से युद्ध होंगे। भय है कि अमरीका सरकार और भारत सरकार के बीच गिरोहबन्दी विनाश की राह पर रफ्तार बढायेगी।

● प्रदूषित पर्यावरण। डर है कि कोयले-तेल-रसायनों-संकेन्द्रित पदार्थों के प्रदूषण में परमाणु बिजलीघरों और एटम बमों के प्रदूषण का जोड़ पृथ्वी को जीवन के अयोग्य बना देगा। आशंका है कि मनुष्यों का ताण्डव अपने संग अन्य जीवों को भी पृथ्वी से मिटाने की सम्भावना को बढायेगा। भय है कि पर्यावरण की क्षतिपूर्ति की सीमायें पार हो जायेंगी।

आशायें

✶ सीधापन बढेगा। आशा है कि झूठ-फरेब-तिकड़मबाजी-कपट से लहुलुहान मन सहज सम्बन्धों के लिये अधिकाधिक तड़पेंगे। उम्मीद है कि यह तड़प सीधे-सच्चे रिश्तों को बढायेगी। आशा है कि भरोसे बढेंगे और अनेकानेक प्रकार के तालमेल बनेंगे।

✶ स्वयं के लिये आदर बढेगा। आशा है कि अपने व्यक्तित्व में एक नहीं बल्कि अनेक विभाजन के वास्तविक कारण : हर समय पड़ते चौतरफा दबावों की पहचान बढेगी। उम्मीद है कि स्वयं के लिये आदर अपने तन-मन पर अत्याचारों को समाप्त करने की राहों पर हमें बढायेगा।

✶ दूसरों के लिये आदर बढेगा। आशा है कि स्वयं के लिये आदर दूसरों के लिये आदर का आधार बनेगा। उम्मीद है कि हर समय प्रत्येक पर चौतरफा दबावों की पहचान बढेगी। आशा है कि अपने और दूसरों के लिये बढता आदर प्रेम में फलीभूत होगा।

✶ सहज आदान-प्रदान बढेंगे। आशा है कि बार-बार का विस्थापन, बढता विस्थापन विभिन्न प्रकार के पूर्वाग्रहों को दफन करेगा। उम्मीद है कि सहज आदान-प्रदान त्रासदी की जड़ों को उजागर करेंगे। आशा है कि इससे प्रत्येक के लिये सम्भव आसान गतिविधियों का महत्व स्थापित होगा।

✶ दिवालिये बढेंगे। आशा है बढती सँख्या में बैंकों का दिवाला निकलना जारी रहेगा। उम्मीद है कि फैक्ट्रियाँ बन्द होने की गति तीव्र होती जायेगी। आशा है कि सरकारों की डगमगाहट बढेगी और भरभरा कर सरकारों का गिरना सामान्य बनेगा। उम्मीद है कि रुपये-पैसे में राहत ढूँढना दम तोड़ेगा। आशा है सरकारों पर भरोसे समाप्त होंगे। उम्मीद है मजदूरी-प्रथा पर सवाल उठाना व्यापक बनेगा।

✶ सामाजिक प्रक्रिया पर ध्यान केन्द्रित होगा। आज 20-22 वर्ष की आयु वाले मजदूरों द्वारा 5-6 कार्यस्थलों का अनुभव प्राप्त करना सामान्य बनता जा रहा है। आशा है कि यह इस-उस व्यक्ति अथवा संस्थापन-विशेष तक सीमित रहने की प्रवृति को तोड़ेगा। उम्मीद है कि यह सामाजिक प्रक्रिया को अखाड़े में खींच लेगा। आशा है कि समस्याओं का ताना-बाना उजागर होगा और उससे पार पाने के लिये जो आवश्यक हैं उन से परिचय बढेगा।

✶ आवागमन तालमेलों को जोड़ेगा। आशा है कि पृथ्वी पर एक से दूसरे स्थान पर बढता आवागमन स्थानीय तालमेलों को एक-दूसरे से जोड़ेगा। उम्मीद है कि तालमेलों के विश्व व्यापी ताने-बाने की रचना होगी। आशा है कि सम्पूर्ण पृथ्वी पर फैले और आपस में जुड़े सहज तालमेल नई समाज रचना के लिये संगठित प्रयासों के आधार बनेंगे।

आईये, ऊँच-नीच, मण्डी-मुद्रा, मजदूरी-प्रथा वाली वर्तमान समाज व्यवस्था के स्थान पर गैरबराबरी नहीं, उपहार, समुदाय-प्रथा वाली नई समाज रचना के लिये कर्म व वचन में आदान-प्रदान बढायें।■

महीने में एक बार छापते हैं, 7000 प्रतियाँ फ्री बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी,
एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

दर्पण में चेहरा-दर-चेहरा

चेहरे डरावने हैं.... आईना ही नहीं देखें या फिर हालात बदलने के प्रयास करें?

ध्रुव ग्लोबल मजदूर : " 14 मील पत्थर, मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में दस ठेकेदारों के जरिये रखे एक हजार मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं और इन में हैल्परों की तनखा 1800-2200 रुपये तथा कारीगर पीस रेट पर। कम्पनी द्वारा स्वयं भर्ती 1000 मजदूरों में हैल्परों को 8 घण्टे की बजाय 10 घण्टे काम पर महीने के 3665 रुपये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। मजदूरों ने सरकारी अधिकारियों को शिकायती पत्र लिखे। इस पर 14 नवम्बर 08 को छापा पड़ा पर मैनेजमेन्ट को दो दिन पहले ही सूचना मिल गई थी। इसलिये 14 नवम्बर को सुबह की शिफ्ट वाले मजदूरों की साँय 4 बजे छुट्टी कर दी गई तथा रात वालों की साँय 4 से ड्युटी आरम्भ की..... और उन्हें 16 घण्टे बाद छोड़ा। शिकायतें जारी रहने पर इधर 18 फरवरी को फिर छापा पड़ा और अधिकारी दौरा करके चले गये। परन्तु साँय 4 ¼ बजे साहब लोग फिर फैक्ट्री पहुँचे और मैनेजमेन्ट से कहा : तुम्हारी शिफ्ट नहीं बदली? मैनेजमेन्ट ने फोन कर-कर दूसरी शिफ्ट वालों को बुलाया..... सरकार का दूसरा छापा सम्पन्न हुआ। और, साँय 4½ बजे बुलाये रात की शिफ्ट वाले मजदूरों से 15½ घण्टे काम करवा कर 19 फरवरी को सुबह 8 बजे छोड़ा।"

अल्पिया पैरामाउण्ट श्रमिक : " प्लॉट 60 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में काम करते 450 मजदूरों में 50 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। महीने में 170-190 घण्टे ओवर टाइम। लिखते दुगुनी दर हैं पर ओवर टाइम का भुगतान करते सिंगल रेट से हैं और हर महीने गड़बड़ कर 30-50 घण्टे खा भी जाते हैं। हैल्परों की तनखा 2000-2400 रुपये है पर लिखते 3700 हैं। इसी प्रकार ऑपरेटरों की तनखा 2500-3000 रुपये है पर लिखते 4500-5500 हैं।"

एस टी एल ग्लोबल कामगार : " प्लॉट 4 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में निटिंग और डाइंग विभागों में मजदूर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 3510 रुपये। महीने के तीसों दिन काम होता है, 4 दिन के 400 रुपये से कुछ ज्यादा देते हैं। कारीगरों की तनखा (8 घण्टे पर 26 दिन के) 3500-4000 रुपये और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। कैजुअल वरकरों का कम्पनी रिकार्ड ही नहीं रखती, कागज जला देते हैं। और, स्थाई मजदूरों को नौकरी छोड़ने पर ग्रेच्युटी नहीं देते। पानी के लिये बिसेलरी की बोतलें हैं पर कैंटीन में भोजन ठीक नहीं है। लैट्रीन गन्दी रहती हैं।"

डी एस बुहीन वरकर : " 58 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2500 और ऑपरेटरों की 3000 रुपये। दिन की शिफ्ट 10 घण्टे की और रात की 12 घण्टे की। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फैक्ट्री में काम करते 250 मजदूरों में 25-30 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।"

निधि ऑटो मजदूर : " प्लॉट 10 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2500-2600 और ऑपरेटरों की 3000-3200 रुपये। सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। फैक्ट्री में 200 मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. ना के बराबर – हाथ कटने पर बनवाते हैं और फिर नौकरी से निकाल देते हैं। फैक्ट्री में **यामाहा, मारुति, एल जी** का काम होता है। तनखा देरी से – 15 तारीख के बाद।"

कर्म इंजिनियरिंग श्रमिक : " प्लॉट 5 सैक्टर-5 स्थित फैक्ट्री में 15 स्थाई मजदूर और 4 ठेकेदारों के जरिये रखे 175 वरकर काम करते है। ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 2800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। फैक्ट्री में **एस्कोर्ट्स ट्रैक्टर** का काम होता है।"

पेस एग्जिम कामगार : " 158 डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट स्थित फैक्ट्री मे हैल्परों की तनखा 2000 और ऑपरेटरों की 2500-2800 रुपये। फैक्ट्री में 70 मजदूर काम करते हैं पर रजिस्टर में 12 के ही नाम हैं। इन 12 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं और इनकी तनखा 2800 रुपये है पर हस्ताक्षर 3900-4100 पर करवाते हैं। प्रतिदिन सुबह 9 से रात 11 बजे तक काम होता है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।"

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण वरकर : "सरकार के लिये ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को 8 घण्टे के 100 रुपये। हुडा ने जिन्हें स्वयं रखा है और जो बरसों से लगातार काम कर रहे हैं उनकी साप्ताहिक छुट्टी नहीं। उन्हें वर्ष में मात्र 3 छुट्टियाँ – 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर। तीसों दिन काम के बदले में मात्र 3510 रुपये।"

गार्ड : " एफ 345 शिव मंदिर, लाडो सराय, दिल्ली में कार्यालय वाली **बी 4 एस सेक्युरिटी** कम्पनी हम गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक छुट्टी भी नहीं देते। दूसरा गार्ड नहीं आये तो 36 घण्टे लगातार ड्युटी और इस दौरान कम्पनी रोटी के पैसे नहीं देती, एक कप चाय भी नहीं देती। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। पंजीकरण के 350 रुपये और वर्दी के 1000 रुपये कम्पनी लेती है। ई.एस.आई. के तनखा से कभी 76 तो कभी 80 रुपये काटते हैं और कच्चा कार्ड देते हैं। पी.एफ. के 285 रुपये काटते हैं पर नम्बर नहीं बताते, असल में जमा ही नहीं करते। प्रतिदिन 12 घण्टे की ड्युटी पर 30 दिन के 3800 रुपये देते हैं।"

गुडईयर टायर मजदूर : " मथुरा रोड़, बल्लभगढ स्थित फैक्ट्री में रबड़ लाइन में ठेकेदार के जरिये रखे मजदूरों की तनखा 3510 रुपये और अन्य ठेकेदारों के जरिये रखों की 3586 – जुलाई 08 से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन 3665 रुपये नहीं देते। गाली देते हैं और हाजिरी में गड़बड़ कर महीने में 2-3 दिहाड़ी खा जाते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। इधर 26 जनवरी की छुट्टी के बदले में दो रविवार काट लिये।"

हाइटेक श्रमिक : " 54 डी सैक्टर-31 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3200-3500 रुपये।"

पी आई सी एल कामगार : " प्लॉट 99 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे 125 मजदूरों की तनखा 2800-3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

हरियाणा टैक्स वरकर : " प्लॉट 3 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में 250 हैल्परों की तनखा 2400 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। स्टाफ की भी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं। पीने का पानी खारा। लैट्रीन गन्दी।"

एस पी एल इन्डस्ट्रीज मजदूर : " प्लॉट 22 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों की तनखा 2500 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। जनवरी की तनखा आज 20 फरवरी तक नहीं दी है। एस पी एल की प्लॉट 21 वाली फैक्ट्री में अधिकतर मजदूर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं और इन्हें जनवरी की तनखा 18 फरवरी को दी।" ☞ **(बाकी पेज तीन पर)**

सेन्चुरी एन एफ कास्टिंग श्रमिक : " प्लॉट 1 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में जल जाना, हाथ-पैर कटना-टूटना सामान्य हैं। अल्युमिनियम ज्यादा कबाड़ रूप में आता है और इसमें बम-बारूद भी होते हैं। महीने-दो महीने में छोटे-मोटे धमाके होते रहते हैं। बन्द माल भट्ठी में चला गया तो फटेगा। भट्ठी वालों को 3 महीने में और बाकी को 6 महीने में जूते देते हैं। इधर 16 फरवरी को साँय 4 बजे साहबों का आदेश : जूते फैक्ट्री में छोड़ कर जाओगे। रात 11 बजे छूटने वालों को नँगे पैर जाना पड़ा। जिंक की सिल्ली उठाने के लिये दस्ताने पर पुराना दस्ताना चढा कर

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर सेंटर रूल्स 1956 के अनुसार स्वामित्व व अन्य विवरण का ब्यौरा फार्म नं. 4 (रूल नं. 8)

फरीदाबाद मजदूर समाचार

1. प्रकाशन का स्थान	मजदूर लाइब्रेरी आटोपिन झुग्गी, फरीदाबाद–121001
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
4. प्रकाशक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
5. संपादक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों। केवल शेर सिंह

मैं, शेर सिंह, एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनाँक 1 मार्च 2009 हस्ताक्षर शेर सिंह प्रकाशक

गुड़गाँव में मजदूर

गुलाटी एक्सपोर्ट मजदूर : " सरोल गाँव, सैक्टर-18 स्थित बड़ी फैक्ट्री में धागे काटने का काम करती 400 महिला मजदूरों की तनखा 2400 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। और, नवम्बर, दिसम्बर तथा जनवरी की तनखायें आज 18 फरवरी तक नहीं दी हैं। कम्पनी ने कई ठेकेदारों के जरिये मजदूर रखे हैं, मुख्य ठेकेदार एक है। शिफ्ट सुबह 9½ से रात 9 की है और पुरुष मजदूरों को रात 1-2 बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। काम अधिक होता है तब सुबह 8 बजे बुला लेते हैं और महिला मजदूरों को भी रात 1 बजे तक रोकते हैं, गाड़ी से कमरों तक छोड़ते हैं। पुरुष हैल्परों की तनखा 2400-2800 रुपये।"

इनस्टाइल श्रमिक : " 378 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 8¾ की शिफ्ट है और रोज रात 1 बजे तक रोकते हैं, रात पौने नो तो कभी-कभार छोड़ते हैं। महीने में 120-150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। फैक्ट्री के अन्दर चले गये तो जब तक छुट्टी नहीं करते तब तक निकलने नहीं देते — गेट पास नहीं देते। नये भर्ती का काम पसन्द नहीं आता तब भी रात पौने नो तक निकलने नहीं देते, जबरदस्ती काम करवाते हैं और उसके पैसे भी नहीं देते। बहुत गाली देते हैं। निर्धारित उत्पादन बहुत अधिक है। उन्हें सिर्फ काम से मतलब है, मजदूर की परेशानी से उनका कोई लेना-देना नहीं है। लैट्रीन बहुत-ही गन्दी रहती हैं और मजदूरों के पीछे इनचार्ज लोग गाली देते हुये लैट्रीनों के अन्दर घुस जाते हैं।"

ऋचा एण्ड कम्पनी कामगार : " 193 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट और सुबह 9 से रात 11 की एक शिफ्ट है। रविवार को भी बुला लेते हैं। जबरन है, छुट्टी करने पर नौकरी से निकाल देते हैं। महीने में 150 घण्टे ओवर टाइम — 50 घण्टे का भुगतान दुगुनी दर से और 100 घण्टे का सिंगल रेट से। कम्पनी की प्लॉट 239 वाली फैक्ट्री में जीने से गिरने पर एक मजदूर की मृत्यु हो गई..... मैनेजमेन्ट ने हर कारीगर की तनखा से 10 रुपये काटे। मंगलवार के प्रसाद के लिये तनखा से हर महीने 10 रुपये काटते हैं।"

एस एण्ड आर वरकर : " 298 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 8 की ड्युटी बताते हैं और मुख्य द्वार बन्द कर जबरन रात 10 बजे तक रोक लेते हैं। तबीयत खराब होने पर मजदूर को छुट्टी देने की बजाय जनरल मैनेजर सुपरवाइजर से कहता है कि बिजली की गति से काम करवाओ। कार्ड पंच करने की मशीन बन्द कर महीने में एक-दो दिन छुट्टी दिखा देते हैं। एक परसनल मैनेजर को यह अच्छा नहीं लगा तो उसे नौकरी से निकाल दिया। फैक्ट्री में लैट्रीन हैं पर वहाँ जाना नहीं है। टोटी हैं पर पीने का पानी नहीं है।"

कम्पारी एक्सपोर्ट मजदूर : " 517 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 11 की शिफ्ट है और सुबह 4, 6 बजे तक रोक लेते हैं। महीने में 150-175 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। अत्याधिक काम से बीमार पड़ जाते हैं और ड्युटी पर नहीं पहुँचते तो नौकरी से निकाल देते हैं। जनवरी की तनखा 13 फरवरी को दी पर निकाले हुये 8 मजदूरों को नहीं दी और धमकाने के लिये पुलिस बुला ली। दिसम्बर व जनवरी के ओवर टाइम के पैसे आज 18 फरवरी तक नहीं दिये हैं। जनरल मैनेजर गाली देता है। हैल्परों को 8 घण्टे के 90 रुपये देते हैं। फैक्ट्री में काम करते 200 मजदूरों में 10 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।"

मोडलामा श्रमिक : " 105-106 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में प्रतिदिन सुबह 9½ से रात 2 बजे की शिफ्ट है। महीने में 250-300 घण्टे ओवर टाइम — 50 घण्टे का भुगतान दुगुनी दर से और बाकी का सिंगल रेट से। सुपरवाइजर द्वारा करवाये काम को इनचार्ज ने गलत करार दिया और ..... और इसके लिये 4 फरवरी को फिनिशिंग विभाग के 15 मजदूर नौकरी से निकाल दिये। फैक्ट्री में **जेजिल, टॉलबॉस, आई एन सी, गैप, अल्फानी** का माल बनता है। जनवरी की तनखा आज 18 फरवरी तक नहीं दी है। बड़ी फैक्ट्री है और अब सब मजदूर पीस रेट पर हैं। सैम्पलिंग विभाग में 300 स्थाई मजदूर थे पर अब 50 ही बचे हैं और उनके भी नये कार्ड बना दिये हैं। जिन्हें निकाला उन्हें तनखा के लिये दो महीने दौड़ाया — पैसे लेने अन्दर नहीं जाने देते और फोन करो तो कहते कम्प्युटर खराब है। और, ग्रेच्युटी अभी भी नहीं दी है — कहते हैं कि जीवन बीमा निगम में चली गई है, बाद में देंगे..... मोडलामा की 201 फेज-1 वाली फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 2 बजे की ड्युटी है और 15 दिन में भी नौकरी से निकाल देते हैं।"

जी ओ एम एक्सपोर्ट कामगार : "356 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार के जरिये रखे हम 30 मजदूरों की तनखा 2800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8 की ड्युटी और महीने में 5-6 बार रात 1 बजे तक रोकते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। जनवरी की तनखा हमें आज 18 फरवरी तक नहीं दी है।"

प्रिमियम मोल्डिंग वरकर : " 185 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में कोई छुट्टी नहीं, वर्ष में 364 दिन काम। रविवार के काम को कम्पनी ओवर टाइम नहीं मानती। प्रतिमाह जिन 20-25 घण्टों को ओवर टाइम मानते हैं उनका भुगतान मात्र 6 रुपये प्रति घण्टा।"

ईस्टर्न मेडिकिट मजदूर : " 292 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूरों की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट हैं और 250 कैजुअल वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 12 रुपये प्रति घण्टा और दिसम्बर व जनवरी में किये ओवर टाइम के पैसे आज 18 फरवरी तक नहीं दिये हैं। हम कैजुअल वरकरों को जनवरी की तनखा भी आज 18 फरवरी तक नहीं दी है। उत्पादन का भारी दबाव रहता है। एस टी एल विभाग में 12 घण्टे में 20 हजार रक्त थैली बनाना निर्धारित है और जब तक यह बनती नहीं तब तक छुट्टी नहीं, 13-14-15 घण्टे तक काम करना पड़ जाता है।"

सरगम एक्सपोर्ट श्रमिक : " 152 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। महीने में 70-75 घण्टे ओवर टाइम और उसका भुगतान भी दुगुनी दर से। लेकिन सुपरवाइजर और इनचार्ज बहुत गाली देते हैं।"

मास इन्टरप्राइज कामगार : " 370 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में 1000 मजदूर सुबह 9½ से रात 11, रात 2, सुबह 6 बजे तक काम करते हैं। साप्ताहिक छुट्टी भी नहीं। महीने में 200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। तीन ठेकेदारों के जरिये रखे 150 हैल्परों (60 महिला मजदूर धागे काटती हैं) की तनखा 2200 रुपये, ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं और महीने में ओवर टाइम के 10-20 घण्टे खा भी जाते हैं। ठेकेदार के जरिये रखे सिलाई कारीगरों की तनखा 3800 रुपये। टेलरों की तनखा से 500 रुपये ई.एस.आई. व पी. एफ. के नाम से काटते हैं — 3 महीने में नौकरी से निकाल देते हैं, ई.एस.आई.कार्ड नहीं देते, फण्ड के पैसे नहीं मिलते। और, गड़बड़ी कर सिलाई कारीगरों की 2-3 दिहाड़ी महीने में खा जाते हैं।"

जनवरी 2009 से देय डी. ए. की घोषणा हरियाणा सरकार ने मार्च के आरम्भ तक नहीं की। हरियाणा सरकार द्वारा 01.07.2008 से निर्धारित कम से कम तनखा : अकुशल मजदूर (हैल्पर) 3665रुपये (8घण्टे के 141रुपये)

दर्पण.....(पेज दो का शेष)

उठाते हैं अन्यथा हाथ जल जायें। अब साहबों ने नया नियम बनाया है : पुराने दस्ताने जमा करवाओ तब नये देंगे। माल से मैग्नेसियम उड़ाने के लिये एम जी आर रसायन के प्रयोग पर बहुत ज्यादा बदबू होती है पर इधर मैनेजमेन्ट ने भट्ठी वालों को मास्क देनी बन्द कर दी है। मन्दी से निपटने के लिये खर्च में कटौती वास्ते यह मैनेजमेन्ट की तकलीफदायक बेवकूफियाँ हैं।"

सुपर ऑटो कामगार : " प्लॉट 13, 50, 80, 84 सैक्टर-6 स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में हैल्परों की तनखा 2000-2200 और ऑपरेटरों की 2800-3000 रुपये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। ई.एस.आई. व पी.एफ. 1000 में 200 की ही। गार्ड कम्पनी ने स्वयं रखे हैं और उन्हें 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3900 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

यूनि मालतल वरकर : (बाकी पेज 4 पर)

दिल्ली में मजदूर

डी. ए. के 251 रुपये जुड़ने केबाद 1.02.2009 से दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन प्रतिदिन 8 घण्टे काम और सप्ताह में एक दिन छुट्टी पर प्रतिमाह इस प्रकार हैं: अकुशल श्रमिक 3934 रुपये (8 घण्टे के 151 रु.); अर्ध-कुशल श्रमिक 4100 रुपये (8 घण्टे के 158रु); कुशल श्रमिक 4358 रुपये (8 घण्टे के 168रु)। स्टाफ में दसवीं से कम 4127 रुपये (8 घण्टे के 159रु); दसवीं पर स्नातक से कम 4382 रुपये (8 घण्टे के 169 रु); स्नातक और अधिक 4694 रुपये (8 घण्टे के 181 रु.)। यह कम से कम तनखायें हैं और नहीं दी जा रही हैं तो 25-50 पैसे के पोस्टकार्ड से शिकायत के लिये कुछ पते: 1. उप श्रमायुक्त (दक्षिण दिल्ली), कमरा 122-123, ए-विंग, पहला तल, पुष्पा भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली; 2. उप श्रमायुक्त (दक्षिण पश्चिम दिल्ली), डी टी सी कॉलोनी, प्रताप नगर, हरी नगर, नई दिल्ली; 3. उप श्रमायुक्त (पश्चिम दिल्ली), श्रम कल्याण केन्द्र, करमपुरा, नई दिल्ली; 4. उप श्रमायुक्त (उत्तरी व उत्तर पश्चिमी दिल्ली), श्रम कल्याण केन्द्र, निमरी कॉलोनी, दिल्ली-110052; 5. उप श्रमायुक्त(मध्य दिल्ली), रोजगार कार्यालय भवन, पूसा रोड़, नई दिल्ली-110012; 6. उप श्रमायुक्त (नई दिल्ली), रोजगार कार्यालय भवन, पहला तल, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001; 7. उप श्रमायुक्त (पूर्वी और पूर्वोत्तर दिल्ली), श्रम कल्याण केन्द्र, विश्वकर्मा नगर, शाहदरा, दिल्ली; 8. श्रम आयुक्त, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली-110054

यूनिस्टाइल मजदूर : " बी-51 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगर महीने में दो-तीन बार पीस रेट पर खींचातान में काम बन्द करते हैं। रेट मजदूरों से पूछते हैं और हौजरी टॉप के लिये हम ने 25 रुपये प्रति पीस बताया तो कम्पनी ने 15 रुपये तय किया। इस पर सिलाई कारीगरों ने 30 जनवरी को काम बन्द कर दिया तो मैनेजर बोला कि काम करो, बात करता हूँ। दो घण्टे बाद पूछा तो बोले कि अभी तय नहीं हुआ है। इस पर फिर काम बन्द। हम ने 31 जनवरी को सुबह 4 घण्टे काम किया और चाहा रेट नहीं दिया तो फिर काम बन्द रखा। ऐसा ही 1 व 2 फरवरी को किया। और फिर 3 व 4 फरवरी को पूरे दिन मशीनें बन्द कर सिलाई कारीगर फैक्ट्री में बैठे। पाँच फरवरी को भी 12 बजे तक काम बन्द रहा तो कम्पनी ने रेट 20 रुपये किया और तब काम आरम्भ हुआ। बाद में दिये 19½ रुपये प्रति पीस ही..... जो रेट कम्पनी के कागजों में चढाते हैं उससे 2 रुपये कम रेट मजदूरों को बताया जाता है और उस पैसे को ठेकेदार तथा प्रोडक्शन मैनेजर खा जाते हैं। फैक्ट्री में काम करते 200 मजदूरों में से 10 ही कम्पनी ने स्वयं रखे हैं तथा इन्हें ही सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दिया जाता है और इनकी ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। धागे काटने वाली महिला मजदूरों को 8 घण्टे के 80 रुपये देते हैं। शिफ्ट सुबह 9 से रात 8 की है और रात 12 बजे तक रोकते हैं। यहाँ **लुसिया, कॉलबेटा** का तथा कम्पनी के अपने बिक्री केन्द्रों का माल बनता है।"

बेस्टन इलेक्ट्रोविजन श्रमिक : " बी-70 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200-3000 रुपये, सफाई कर्मियों की2500 रुपये। महीने में 50 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। ई.एस.आई. व पी.एफ. 15 की ही हैं जबकि 100 से अधिक मजदूर काम करते हैं। कम्पनी दो रजिस्टर रखती है।"

डिम्पल एक्सपोर्ट कामगार : "बी-35 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में काम करते 700 मजदूरों में मात्र एक महिला व एक पुरुष कम्पनी ने स्वयं रखे हैं और बाकी सब को एक ठेकेदार के जरिये रखा है। ई.एस.आई. व पी.एफ. 698 मजदूरों की नहीं हैं। धागे काटने वाली 40 महिला मजदूरों को 8 घण्टे के 80 रुपये। सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 140 रुपये। फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट है। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। महीने के तीसों दिन 12 घण्टे की ड्युटी।"

पैरामाउण्ट एक्सपोर्ट वरकर : " ए-55 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में काम करते एक हजार मजदूरों में से 99 प्रतिशत को एक ठेकेदार के जरिये रखा है। हैल्परों की तनखा 2200 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। रोज सुबह 9½ से रात 8½ की शिफ्ट है – रविवार को 10 से 5½। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फैक्ट्री में कैन्टीन नहीं है।"

क्रेडी मजदूर : " ई-49/7 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में फैशन शो के परिधान बनते हैं, सैम्पल भी तैयार किये जाते हैं। सिर्फ फोटो दिखा कर भी कपड़ा पकड़ा देते हैं –अपने आप काटो और बनाओ। बहुत सिरदर्दी है और किसी-किसी पीस में पूरा सप्ताह लग जाता है। मास्टर तू-तड़ाक करता है और सीनियर मास्टर के मुँह पर तो हर समय गालियाँ रहती हैं। उच्च कुशल सिलाई कारीगरों को 4 वर्ष से 8 घण्टे के 170 रुपये देते हैं, बढाते नहीं, महँगाई भत्ता भी नहीं देते। काम अनुसार टेलर 40 से 70 होते रहते हैं और ड्युटी सुबह 9 से रात 1 तक होती रहती है। ई.एस.आई. व पी.एफ. 10 के ही हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। रात 1 बजे छूटते हैं तब गेट पास नहीं देते, कागज पर हाथ से लिख देते हैं, रास्ते में पुलिस परेशान करती है। कोई नामपट्ट नहीं है द्वार पर और कागजों में इसे प्रशिक्षण केन्द्र दिखाते हैं। पीने का पानी खराब है।"

ऋचा ग्लोबल श्रमिक : " सी-58/3 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से रात 9 की शिफ्ट है और रात 1 बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। फैक्ट्री में 250 मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 50 के ही हैं।"■

एक और विप्लव

बांग्लादेश में सिपाहियों की बगावत

दस्तकारी-किसानी-छोटी दुकानदारी की सामाजिक मौत-सामाजिक हत्या। मजदूरों का बढता शोषण-दमन-असुरक्षा। विकराल रूप धारण करती बेरोजगारी। चौतरफा असन्तोष वर्तमान समाज रचना के चरित्र में है।

तन-मन तान कर। हाथ जोड़ कर, याचक बन कर। रिश्वत दे कर। तीनों के सम्मिश्रण से नौकरी प्राप्त करने को तर जाना मानने की मान्यता अब भी व्यापक है।

जबकि, वास्तव में नौकरी में व्यक्ति निरन्तर अपमानित होती है। व्यक्ति सतत जलील होता है। हर समय धार पर, लगातार कटना नौकरी है।

तनाव, घुटन, कुण्ठा बढते रहते हैं। ऊँच-नीच वाली सीढी के निचले डँकों पर स्थितियाँ बरदाश्त से बहुत बाहर हो गई हैं। ऊपर के डँकों वाले मन-विवेक गिरवी रख कर चलती-फिरती लाशें बने हैं। हालात विस्फोटक, अधिकाधिक विस्फोटक।

ऐसे में विद्रोहों-बगावतों का एक अटूट सिलसिला है। भारत, बांग्लादेश जैसे क्षेत्रों में अस्सी प्रतिशत से अधिक लोग प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 20 रुपये से कम में गुजारा करते हैं। ऐसे क्षेत्रों में 50-100-150 रुपये प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति की हैसियत वाले लोग अपने मन को अत्याधिक मारते हैं। पाँच-दस-पन्द्रह-बीस-पच्चीस हजार रुपये तनखा वाले यहाँ तन तानने और मन मारने में कोई कमी नहीं छोड़ते। परन्तु अपमान जनित क्रोध बढता रहता है। सेनाओं में भी सिपाही स्वयं बम-बारूद बने हैं।

बांग्लादेश में साठ हजार सिपाहियों की बगावत, मरने-मारने की मन: स्थिति स्वाभाविक है। ऐसे विद्रोह बढेंगे। मजदूरों-मेहनतकशों से तालमेल इन बगावतों को तेज धार देंगे और विप्लव को नई समाज रचना की राह पर बढायेंगे।■

दर्पण.....(पेज तीन का शेष)

" 30/5 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200-2300 और ऑपरेटरों की 2700-3000 रुपये। **डेन्सो** के लिये माल बनाती फैक्ट्री में 75 मजदूर थे, नवम्बर-दिसम्बर में निकाले, अब 13 हैं।"

सुपर एम एम मजदूर : " प्लॉट 86 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200-2400 और ऑपरेटरों की 2650-2900 रुपये – सी एन सी वालों की 3900। इस समय काम मन्दा है इसलिये 8-8 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. 40 मजदूरों में 5-6 की ही। यहाँ **एस्कोर्ट्स ट्रैक्टर** के पुर्जे बनते हैं।"

एशियन फोरजिंग श्रमिक : "प्लॉट 57 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में दिसम्बर और जनवरी में ड्युटी रोज 8 घण्टे ली पर काम कम है कह कर तनखा आधी दी। दिसम्बर और जनवरी में हैल्परों को 1700 रुपये तनखा और ऑपरेटरों को 4500-6000 की जगह 2500-3000 रुपये दिये।" **सुपर एज कामगार :** " प्लॉट 109 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 9 की एक शिफ्ट है। महीने में 250 घण्टे तक ओवर टाइम के हो जाते हैं, भुगतान सिंगल रेट से। जनवरी की तनखा आज 11 फरवरी तक नहीं दी है।"

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन **L/HR/FBD/73-2011**